जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण
गुडगॉव ।

वर्ष 2011–2012

जिला सांख्यिकीय कार्यालय
गुडगॉव ।

आमुख

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण गुडगांव वर्ष 2011–12 का यह अठाईसवां प्रकाशन है। इसमें जिला गुडगांव की महत्वपूर्ण व विस्तृत सूचनाओं को संकलित करने का समुचित प्रयास किया गया है। इस प्रकाशन में नवीनतम सामाजिक तथा आर्थिक विभिन्न विषयों विशेषकर क्षेत्रफल, जनसंख्या, कृषि, सिंचाई, वन, पशु पालन, उद्योग, विद्युत, श्रम तथा रोजगार, सडक, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, सहकारिता तथा बैंक उद्योगों से सम्बन्धित मूलभूत आंकडों का समावेश किया गया है। यह प्रकाशन राज्य के योजनाबद्ध विकास के लिए योजनाकारों, अनुसंधानकर्ताओं तथा राज्य व जिला स्तर पर कार्य करने वाले विभिन्न योजना संगठनों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगा।

अन्त में श्री रमेंश कुमार, सहायक जिला सांख्यिकीय अधिकारी व अन्य सम्बन्धित कर्मचारियों का इस सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण को संकलित करने एवं प्रकाशित करने हेतु आभार प्रकट करता हूं।

तिथि :– 17 अगस्त 2013
स्थान :– गुडगांव

(विधा सागर)
जिला सांख्यिकीय अधिकारी
गुडगांव।

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण – जिला गुडगांव

विषय सूची

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या
परिशिष्ठ –1	सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण – गुडगांव	1
परिशिष्ठ –2	स्थिति तथा भौतिक विशेषताएं	
1.	स्थिति तथा भौतिक विशेषताएं	2–3
	स्थिति	
	क्षेत्रफल तथा प्रशासनिक ढांचा	
	भौतिक विशेषताएं	
	खनिज सम्पदा	
	नदियां	
	जलवायु तथा वर्षा	

	मिट्टी
	भू–जल विज्ञान
2. जनसंख्या	4–7
	जनगणना के आंकडे
	घनत्व
	ग्रामीण व शहरी जनसंख्या
	0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या
	मलिन बस्तियों की जनसंख्या
3. वन	7
	वनों के अधीन क्षेत्रफल
4. कृषि	8–10
	भूमि का प्रयोग
	कृषि जोतें
	मुख्य फसलों का उत्पादन
	अधिक उपजाउ किस्में
	रासायनिक खाद का वितरण
	पौधों की सुरक्षा के उपाय
	कृषि यन्त्र तथा उपकरण
	कृषि उपज बिक्री संग्रहण
	समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम

क्रमांक विषय पृष्ठ संख्या
5. सिंचाई 11
सिंचाई के साधन
फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र
सिंचाई की सघनता
नलकूप/पम्पिंग सैट
बाढ
6. पशुपालन तथा डेरी 12
पशु धन
पशु चिकित्सालय सेवाएं
डेरी दुग्ध उत्पादन
7. मछली पालन 13
8. विद्युत 13
विद्युतिकरण शहरी/गांव
न्लकूप
विभिन्न परियोजनाओं में विद्युत का उपयोग

9. खनिज पदार्थ तथा उद्योग	13–14
खनिज उत्पादन	
लघु उद्योग यूनिट	
बडे तथा मध्यम स्तरीय उद्योग यूनिट	
10. सडक तथा परिवहन	14
सडकों की लम्बाई	
रेलवे स्टेशन हरियाणा परिवहन बस स्टेन्ड की संख्या	
राज्य परिवहन	
सडक दुर्घटनाएं	
11. संचार	15
डाकघर व तारघर	
दूरभाष केन्द्र	
12. श्रम तथा रोजगार	15
औद्योगिक झगडे	
रोजगार केन्द्र	
मजदूरी की औसत दैनिक आय	

क्रमांक	विषय

पृष्ठ संख्या
13. सहकारिता 16
14. बैंक 16
15. शिक्षा 17–18
विद्यालय तथा महाविद्यालय
अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम
इन्जिनियरिंग कालेज
16. चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य 18–19
स्वास्थ्य सेवाएं
परिवार कल्याण
सुरक्षित पेयजल
17. कल्याण विभाग (अनुसूचित जातियां व पिछडे वर्ग) 19
वृद्धावस्था एवं अन्य पैशन
18. विविध 20–21
नगरपालिकाएं

	जिला राजस्व
	रजिस्ट्रीकरण
	पुलिस तथा अपराध
	हरियाणा सरकार के कर्मचारी
	विकेन्द्रीकरण योजना
	चुनाव तथा मतदाता
	टेलीविजन सैट
	आर्थिक गणना – 2005
	परिशिष्ठ – 3 जिला एक दृष्टि में

परिशिष्ठ – 1

जिला गुडगांव का सामाजिक पुनरीक्षण

पृष्ठ भूमि

गुडगांव का पुराना नाम गुरूग्राम है। गुडगांव नगर के साथ ही गुडगांव गांव लगता है इसलिए इस नगर का नामकरण गुडगांव के नाम पर हुआ। महाभारत काल में महाराजा युधिष्ठर द्वारा गुडगांव गांव को अपने धर्मगुरू द्रोणाचार्य को उपहार स्वरूप दिया गया था। जिसके इसी पौराणिक गुडगांव गांव के पास गुडगांव नगर की स्थापना हुई। यह दिल्ली से 32 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम दिशा में है।

सन् 1821 ई0 से पहले इस जिले का केन्द्र स्थल रेवाडी के पास भाडावास गांव में था उन दिनों झाडसा परगना की बेगम समरू की बढती हुई शक्ति को देखते हुए सामरिक दृष्टिकोण के सर्व प्रथम यहां पर फौजी छावनी बनाई गई तत्पश्चात सन् 1821 ई0 में इसको जिला मुख्यालय बना दिया गया इसलिए कुछ लोग आज भी गुडगांव शहर को गुडगांव छावनी ही कहते हैं जो इस समय हिदायतपुर गांव की जमीन पर बसा हुआ है। इसके अतिरिक्त यह जिला अतीत की कई गौरवशाली तथा ऐतिहासिक घटनाओं से जुडा है। मुगल बादशाहपुर अकबर के समय यह दिल्ली व आगरा मण्डल में सम्मिलित था। 1857 ई0 के स्वतन्त्रता संग्राम के समय श्री कोई इस जिले के कलक्टर थे, जिन्होनें पहले इस जिले में स्वन्तत्रता सेनानियों को दबाया परन्तु उग्र प्रतिवाद के कारण उन्हें बाद में यह जिला छोडना पडा जिसके फलस्वरूप सन् 1858 ई0 में इस जिले को पंजाब प्रांत में सम्मिलित कर लिया गया तथा पंजाब का दोबारा विभाजन होने पर सन् 1966 ई0 में यह हरियाणा राज्य का जिला बना। इस जिले का क्षेत्रफल 1254 वर्ग कि0 मी0 है जो राज्य के क्षेत्रफल का 2.84 प्रतिशत है। 2011 की जनगणना के अनुसार जिले की जनसंख्या 1514085 है जोकि कुल राज्य की जनसंख्या का 16ण्74 प्रतिशत है। जिले की जनसंख्या घनत्व 1241 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है जबकि हरियाणा राज्य की जनसंख्या का घनत्व 573 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है। 2011 की जनसंख्या के अनुसार जिले में 229 गांव है जोकि चार सामुदायिक विकास खण्डों में बंटे है। इस समय इस में तीन उपमण्डल, पांच तहसीलें हैं।

गुडगांव जिले का क्षेत्रफल राजस्व रिकार्ड के अनुसार 1188 वर्ग कि0मी0 है तथा भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार जिले का कुल क्षेत्रफल 1254 वर्ग कि0मी0 है। 2011 की जनगणना के अनुसार जिले में कुल 817274 पुरूष तथा 696811 स्त्रियां हैं। जिले का लिंगानुपात 853 है तथा साक्षरता दर 84.44 प्रतिशत है। जिसमें पुरूष 90ण्27 एवं स्त्रियां.77ण्64 है। ग्रामीण 877 शहरी 842 है ।

परिशिष्ठ–2

स्थिति तथा भौतिक विशेषताएं

1. भौगोलिक स्थिति

जिला गुडगांव हरियाणा के दक्षिण में 27''–27''–20'' तथा 28''–32–25'' उत्तर अक्षांश के मध्य एवं 76''–39''–39'' व 77''–32''–50'' रेखांश के मध्य स्थित है इसके उत्तर में दिल्ली, पश्चिम में झज्जर व जिला रेवाडी, दक्षिण में जिला मेवात तथा पूर्व में जिला फरीदाबाद की सीमा लगती है।

2. क्षेत्रफल तथा प्रशासनिक ढांचा

जिला गुडगांव का क्षेत्रफल राजस्व रिकार्ड के अनुसार 1188 वर्ग कि0मी0 है तथा भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार क्षेत्रफल 1254 वर्ग कि0मी0 है जोकि राज्य के क्षेत्रफल का 2.84 प्रतिशत है। उपमण्डल गुडगांव में गुडगांव, सोहना, पटौदी, फरूखनगर व मानेसर 5 तहसीलें है।

3. जिला गुडगांव में कुल 229 गांव है जोकि 4 विकास खण्डों में विभक्त हैं उपमण्डल गुडगांव में गुडगांव, सोहना, पटौदी व फरूखनगर 4 खण्ड हैं।

जिला गुडगांव में 2011 की जनगणना के अनुसार 7 नगर है। जिले में 210 ग्राम पंचायतें हैं जिनकी कुल सदस्य संख्या 2036 (पंच तथा सरपंच) हैं। जिला गुडगांव में कुल 4 मार्किट कमेटियां है तथा 3 सब यार्ड है। इस जिले में जुलाई 2008 में गुड़गांव को नगर निगम बनाया गया है जिसमें 35 वार्ड है। इसमें 39 गॉवों को शामिल किया है। 2011 की जनगणना के अनुसार 200 वर्ग कि0मी0 में विस्तृत क्षेत्र की जनसंख्या 9,09,863 है।

4. <u>भौतिक विशेषताएं</u>

जिला गुडगांव के स्थल की रूपरेखा एक जैसी नहीं है। इसमें कहीं तो पहाडियां तथा घाटियां हैं कहीं उंची नीची भूमि के मैदान है। जिनकी समुद्रतल से उंचाई 190–280 मीटर के बीच है। इसी कारण भूमि का ढलान कहीं पर पूर्व से पश्चिम की ओर है तथा कहीं पर पश्चिम से पूर्व की ओर है तथा कहीं–कहीं पर दक्षिण से उत्तर की ओर है।

5. <u>खनिज सम्पदा</u>

जिला गुडगांव में कोई खनिज सम्पदा नहीं है। केवल पत्थर, बजरी, कंकर आदि भवन निर्माण सामग्री ही पायी जाती है।

6. <u>नदियां</u>

जिला गुडगांव में एकमात्र नदी साहबी नदी है।

7. <u>जलवायु तथा वर्षा</u>

जिला गुडगांव की जलवायु आर्द्र शुष्क है। यहां पर गर्मियों में अधिक गर्मी पडती है तथा सर्दियों में अधिक सर्दी पडती है। मई तथा जून में यहां का तापमान 45

डिग्री सै0 तक पहुंच जाता है। सर्दियों में दिसम्बर तथा जनवरी सबसे सर्द होते है जिनमें यहां का तापमान 3–4 डिग्री तक गिर जाता है।

8. मिट्टी

जिला गुडगांव में मुख्यतः दो प्रकार की मिट्टी पाई जाती है। गुडगांव, सोहना तहसीलों में मिट्टी अधिकतर दोमट व रेतीली है। पटौदी तहसील में रेतीले टीलें है।

9. भू गर्भ जल

जिले में भू गर्भ जल एक जैसा नहीं है। उपमण्डल गुडगांव में भू गर्भ जल अपेक्षाकृत पीने व कृषि योग्य है इसी कारण यहां पर नलकूप बहूत अधिक लगे है। तथा जलस्तर 100 फुट से 150 फुट तक नीचे चला गया है

जनसंख्या

10. जनगणना के आंकडे

जिला गुडगांव की जनगणना 2011 के अनुसार कुल जनसंख्या 1514085 है। जिसमें से 817274 पुरूष व 696811 स्त्रियां थी। इस प्रकार 2001 से 2011 में 73.93 प्रतिशत दशकीय वृद्धि हुई जबकि 1991 से 2001 तक की अवधि में 44.64 की दशकीय वृद्धि हुई थी। हरियाणा राज्य की जनसंख्या दर में कमी आ रही है। राज्य की यह दर 1991 से 2001 में यह

28ण्06 से कम होकर 2001 से 2011 में यह 19ण्90 प्रतिशत हो गई है। लेकिन इस जिलें में बहु राष्ट्रीय कम्पनी आने के फलस्वरूप जनसंख्या की वृद्धि अन्य जिलों की अपेक्षा अधिक हुई है।

तालिका :– जिले की जनसंख्या (जनगणना 2011)

जिला/तहसील	ग्रामीण/शहरी	कुल जनसंख्या	पुरुष	स्त्रियां
गुड़गांव जिला	कुल ग्रामीण शह	15140854720851	81727425152056	69681122056547

	र ी	0 4 2 0 0 0	5 7 5 4	6 2 4 6

तहसीलवार क्षेत्र एवं जनसंख्या				
	क्षेत्र वर्ग कि0मी0	**ग्रामीण**	**शहरी**	**कुल जनसंख्या**
कुल	1254	472085	1042000	1514085

क्र0सं0	तहसील	क्षेत्र (वर्ग कि0मी0)	ग्रामीण	शहरी	कुल
1	पटोदी	177.39	78638	41,342	1,19,980
2.	गुडगांव	738.82	67,299	9,09,863	9,77,162
3	सोहना	336.86	1.11.674	53,839	1,65,513
4.	मानेसर		93,148	23,455	1,16,603
5	फरूखनगर		1,21,326	13,501	1,34,827

11. घनत्व

भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा दिए गए भौगोलिक क्षेत्र के आंकडों के आधार पर जिला गुडगांव का क्षेत्रफल 1254 वर्ग कि0मी0 है जोकि राज्य के क्षेत्रफल का 2.84 प्रतिशत है। जनगणना 2011 के अनुसार राज्य की 16.14 प्रतिशत जनसंख्या यहां रहती है। जिले में जनसंख्या का घनत्व 573 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है। जबकि जनसंख्या 2001 के अनुसार जिले का घनत्व 694 था तथा राज्य का घनत्व 478 था।

12. ग्रामीण व शहरी जनसंख्या

जनसंख्या 2001 के आंकडों के आधार पर जिले की 31.18 प्रतिशत जनसंख्या अर्थात 472085 ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है जिनमें से 251520 पुरूष तथा 220565 स्त्रियां है। जिले की शहरी जनसंख्या 1042000 है जोकि कुल जनसंख्या का 31.18 प्रतिशत है। जिनमें से 565754 पुरूष तथा 476246

स्त्रियां है। जिले की ग्रामीण जनसंख्या में 2001–2011 में 15.82 प्रतिशत दशकीय कमी हुई है। जबकि शहरी जनसंख्या में इसी अवधि में 236.45 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हरियाणा राज्य में इसी अवधि में ग्रामीण व शहरी जनसंख्या में वृद्धि कमशः 10.00 व 44.25 प्रतिशत हुई है।

13. 0–6 आयु वर्ग में जनसंख्या

जिला गुडगांव में 2001 की जनगणना के अनुसार 0–6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या कुल जनसंख्या का 15.54 प्रतिशत से घटाकर वर्ष 2011 में 13.07 प्रतिशत रह गई है। राज्य में 2001 की जनगणना में 0–6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या का कुल जनसंख्या का 15.77 प्रतिशत से बढ कर जनगणना 2011 में 46.22 प्रतिशत हो गई है। जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में 0–6 आयु वर्ग के बच्चें 14.06 प्रतिशत है तथा शहरी क्षेत्रों में इसी आयु वर्ग के 12.61 प्रतिशत बच्चे रहते है।

14. मलिन बस्तियों की जनसंख्या

2001 के अनुसार जिले में गुडगांव नगर परिषद क्षेत्र में 33570 व्यक्ति मलिन बस्तियों में रहते है। जोकि गुडगांव नगर की जनसंख्या का 16.64 प्रतिशत है। इनमें से 18492 पुरूष तथा 15078 स्त्रियां है। इन मलिन बस्तियों में रहने वाले व्यक्तियों में लिंगानुपात प्रति एक हजार पुरूषों पर 815 स्त्रियां है। 0–6 आयु वर्ग के बच्चों में 14126 पुरूष तथा 9561 स्त्रियां है। जिनका लिंगानुपात 677 है। जबकि हरियाणा राज्य में इसी आयु वर्ग में स्त्री पुरूष अनुपात केवल 639 है

15 लिंगानुपात

जिला गुडगांव में जनगणना 2011 के अनुसार प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या 853 है जबकि यह अनुपात जनगणना 2001 में 850 था स्पष्ट है कि स्त्री पुरूष अनुपात में 2001 की तुलना में 2011 में बढा है। हरियाणा राज्य में यह अनुपात 877 है। जोकि सभी राज्य की तुलना में सब से कम स्तर पर पंहुच गया है।

जिला गुडगांव में ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में यह अनुपात कमशः 877 तथा 842 है जबकि 2001 में कमशः 848 तथा 855 था।

16. 0–6 आयु वर्ग के बच्चों में लिंगानुपात

जिले में 0–6 आयु वर्ग मे 2011 के अनुसार बच्चों का लिंगानुपात 826 है ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में यह अनुपात क्रमशः 797 तथा 842 है। पिछले 2001 ग्रामीण क्षेत्रों में तहसीलवार यह अनुपात पटौदी, गुडगांव, सोहना में क्रमशः 801, 804 तथा 843 था जबकि तहसीलवार शहरी क्षेत्रों में यह अनुपात क्रमशः 794, 792 व 834 था । हरियाणा राज्य में इस आयु वर्ग के बच्चों का लिंगानुपात 830 है। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में क्रमशः 831 तथा 829 है।

17. मलिन बस्तियों में 0–6 आयु वर्ग में लिंगानुपात

2001 की जनगणना के अनुसार जिले की मलिन बस्तियों में 16.64 प्रतिशत आबादी रहती है। 0–6 आयु वर्ग के बच्चों में लिंगानुपात 677 है जबकि हरियाणा राज्य में इसी आयु वर्ग में लिंगानुपात 639 है।

18. साक्षरता

जनगणना 2011 के अनुसार जिले में 11,11,508 व्यक्ति साक्षर हैं जिनमें से 639970 पुरूष तथा 471538 स्त्रियां है। जनगणना 2011 में 84.44 प्रतिशत साक्षरता दर्ज की गई। पुरूष साक्षरता दर 90.27 तथा स्त्री साक्षरता दर 77.64 प्रतिशत रही। जबकि 2001 की जनगणना में जिले में 78.51 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर थे। जिनमें से 87.97 प्रतिशत पुरूष तथा 67.49 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर थी। जनगणना 2011 के अनुसार हरियाणा राज्य की साक्षरता दर 76.64 है। पुरूष तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 85.38 व 66.77 है।

19. ग्रामीण तथा शहरी साक्षरता

जनगणना 2011 के अनुसार जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में 84.44 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है जिनमें से 90.27 प्रतिशत पुरूष तथा 77.64 स्त्रियां है। शहरी क्षेत्र में 85.84 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है। जिनमें से 89.82 प्रतिशत पुरूष तथा 81.33 प्रतिशत स्त्रियां है। जबकि 2001 की जनगणना के अनुसार जिले में ग्रामीण व शहरी साक्षरता दर क्रमशः 75.44 तथा 83.95 प्रतिशत थी।

2001 में ग्रामीण साक्षरता की दृष्टि से तहसील गुडगांव की साक्षरता दर 77. 28 प्रतिशत थी। जोकि पूरे राज्य में सर्वाधिक थी। इसी प्रकार कुल साक्षरता

दर भी तहसील गुडगांव में सबसे अधिक 81.62 प्रतिशत थी। जोकि राज्य में सबसे अधिक थी। शहरी क्षेत्रों में तहसील गुडगांव की साक्षरता दर 86.09 थी। जोकि राज्य की सभी तहसीलों में दूसरे स्थान पर थी।पचकुला जिले की कालका तहसील राज्य में प्रथम स्थान पर थी। जिसकी शहरी साक्षरता दर 87.59 थी।

20. मलिन बस्तियों में साक्षरता

2001 नगर परिषद गुडगांव में शहरी क्षेत्रों में कुल 33570 व्यक्ति मलिन बस्तियों में रहते है। जिनमें से 14126 पुरूष तथा 9561 स्त्रियां साक्षर है। इन बस्तियों में 82.68 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है जोकि हरियाणा राज्य के सभी शहरों की साक्षरता दर की तुलना में सबसे अधिक है। राज्य में यह साक्षरता दर 73.91 प्रतिशत थी।

वन

21. वनों के अधीन क्षेत्रफल

वन विभाग के अनुसार जिले में वर्ष 2011.12 में लगभग 89 वर्ग कि0मी0 क्षेत्रफल वनों के अधीन था जोकि जिले में कुल क्षेत्रफल का 7.10 प्रतिशत है। इस समय जिले में 19 वर्ग कि0मी0 राज्य वन के अधीन है तथा 70 वर्ग कि0मी0 क्षेत्रफल निजी वनों के अधीन है। राज्य वनों में से आरक्षित वन क्षेत्र 2 वर्ग कि0मी0 तथा संरक्षित वन क्षेत्र 16 वर्ग कि0मी0 है तथा जिले में प्रति लाख व्यक्तियों पर वन क्षेत्रफल 5.88 वर्ग कि0मी0 है

कृषि

22. भूमि का उपयोग

वर्ष 2010.11 में गांव पत्रों के अनुसार जिला गुडगांव का कुल क्षेत्रफल 120 हजार हेक्टेयर है जिसमें से वनों के अधीन 3 हजार हैक्टेयर तथा 33 हजार हैक्टेयर भूमि कृषि के लिए अनुपलब्ध रही तथा 500 हैक्टेयर से भी कम भूमि परती रही। शेष भूमि बोया गया निवल क्षेत्रफल रहा।

23. वर्ष 2010–11 में कृषि योग्य भूमि 82 हजार हैक्टेयर है तथा बोया गया निवल क्षेत्र 82 हजार हैक्टेयर रहा जोकि कृषि योग्य भूमि का 100 प्रतिशत है। एक बार से अधिक बार बोया गया क्षेत्रफल 32 हजार हैक्टेयर

रहा। जोकि निवल बोये गए क्षेत्रफल का 39.02 प्रतिशत है तथा कुल बोया गया क्षेत्रफल 114 हजार हैक्टेयर रहा।

24. कृषि जोतें

कृषि गणना 2010–11 के अनुसार जिला गुडगांव में कुल 51245 कृषि जोतें थी इन जोतों में से 28804 जोतें 1 हैक्टेयर से तक की है। जोकि कुल जोतों का 56.20 प्रतिशत है। 1 हैक्टेयर से 5 हैक्टेयर तक कुल 19676 जोतें थी जोकि कुल जोतों का 38.39 प्रतिशत थी। 5 हैक्टेयर से 10 हैक्टेयर तक कुल 2132 जोतें जोकि कुल जोतों का 4.16 प्रतिशत तथा 10 से उपर 633 जोतें थी जोकि कुल जोतों का 1.23 प्रतिशत थी।

25. जिला गुडगांव में रबी की मुख्य फसलों में गेहूं, जौ आदि है तथा खरीफ की मुख्य फसलों में बाजरा तथा ज्वार आदि ही है। वर्ष 2010–11 के दौरान कुल बोये गए क्षेत्रफल में से 50.80 हजार हैक्टेयर गेहूं 44.56 प्रतिशत तथा 34.00 हजार हैक्टेयर बाजरे के अधीन 29.88 प्रतिशत क्षेत्रफल रहा तथा ज्वार के अधीन क्षेत्रफल 0.70 हजार हैक्टेयर 0.61 प्रतिशत क्षेत्रफल रहा।

26. मुख्य फसलों का उत्पादन

जिला गुडगांव में मुख्य फसलें गेहूं, बाजरा, जौ तथा सरसों ही है। वर्ष 2010–11 के दौरान गेहूं का उत्पादन 240 हजार टन, बाजरा का उत्पादन 65 हजार टन, जौ का उत्पादन 4 हजार टन रहा। चावल का उत्पादन 14 हजार टन तथा ज्वार का उत्पादन कुल 1 हजार टन रहा।

27. औसत उपज

जिला गुडगांव में वर्ष 2003–2004 से वर्ष 2010–11 के दौरान मुख्य फसलों की औसत उपज किलांग्राम प्रति हैक्टेयर निम्न रही।

28. अधिक उपजाउ किस्में

जिला गुडगांव में अधिकतर फसलें अधिक उपजाउ किस्म के बीजों से उत्पादन हो रहा है। वर्ष 2010–11 में गेहूं की अधिक उपजाउ किस्म के अधीन क्षेत्रफल 51.00 हजार हैक्टेयर तथा बाजरे के अधीन 33.00 हजार हैक्टेयर, चावल के अधीन 2.00 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल रहा। यह कृषकों की जागरूकता के कारण सम्भव हो सका है कि शत प्रतिशत फसले अधिक उपजाउ किस्मों से ही उगाई जा रही है

29. वर्ष 2011.12 जले में विभिन्न एजेन्सियों द्वारा गेहूं व धान की वसुली की 60.00 हजार टन की गई।

30. रासायनिक खाद का उपयोग

वर्ष 2011–12 में जिला गुडगांव में कुल रासायनिक खाद का उपयोग 14136 टन रहा जिसमें से नाईट्रोजन 9505 टन, फास्फोरस 4326 टन तथा पोटाश का उपयोग कुल 306 टन रहा।

31. कीटमारक दवा की खपत

जिला गुडगांव में वर्ष 2011–12 में कीटमारक की कुल खपत 40 टन रही जोकि मुख्य उपज सरसों तथा बाजरे की फसल को कीडों मकोडों से बचाने के लिए प्रयुक्त की गई।

32. कृषि यन्त्र तथा उपकरण

पशु गणना 2007 के अनुसार जिले में उपयोग में लाए जा रहे कृषि यन्त्रों में 1853 हल तथा गन्ना पिराई के लिए कोल्हू 93, पशु गाडी 549 तथा सभी प्रकार के कुल ट्रैक्टर 5354 तथा 323 कलटीवेटर है। वर्ष 2010–11 में जिले में पावर से चलने वाले औजार की संख्या 5254 थी।

33. कृषि उपजों की बिक्री तथा संग्रहण

वर्ष 2011–12 में जिले में कुल 4 कृषि उपज मार्किट कमेटियां तथा 4 सब यार्ड द्वारा कृषि उपज की खरीद व बिक्री की गई जिनमें से मुख्य आमद गेहूं, जौ, धान, तथा सरसों की मुख्य रूप से खरीद की गई । इसके अतिरिक्त बडी मात्रा में फलों तथा सब्जियों की आवक रहती है।

34. आवक

वर्ष 2011–12 में जिले की मण्डियों में गेहूं की आवक 158600 टन, बाजरा 26400 टन, धान 8900 टन तथा सब्जियां 171700 टन रही। इस प्रकार कुल उत्पादन 577600 टन जिले की मण्डियों में दर्ज की गई।

35.तालिकाः कृषि उत्पादन की आमद (00 टन)

36. जिला गुडगांव में वर्ष 2011–12 में सरकारी गोदामों की कुल क्षमता 58000 टन थी। जिले के आकार की दृष्टि से यह क्षमता बहुत ही कम है।

37. ग्रामीण विकास कार्यक्रम

जिला गुडगांव में जिला ग्रामीण विकास अभिकरण अपनी स्थापना से ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी समाप्त करने के लिए प्रयासरत है। यह एजेन्सी गरीब ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए ऋण तथा अनुदान उपलब्ध कराती है। जिससे गरीब परिवार कोई काम प्रारम्भ कर सके इस जिले में वर्ष 2011.12 में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों की कुल संख्या 18304 थी। इनमें से 487 परिवारों को ऋण तथा अनुदान उपलब्ध कराया गया जिनमें से अनुसुचित जातियों के परिवारों की संख्या 304 थी इन लाभार्थियों में से कुल 415 महिलाओं को इस योजना के अन्तर्गत अनुदान तथा ऋण उपलब्ध कराया गया।

सिंचाई

38. सिंचाई के साधन

वर्ष 2010–11 में जिले के सिंचित निवल क्षेत्र 58 हजार हैक्टेयर था जिसमें सरकारी नहरों द्वारा केवल 2 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल सिंचाई किया गया। यह सिंचित क्षेत्रफल बोये गए निवल क्षेत्र का केवल 71.1 प्रतिशत है। इस जिले में सरकारी नहरें बहुत ही कम है तथा लगभग आधे क्षेत्र में भूगर्भ का पानी अत्यन्त लवणीय है इस कारण नलकूप सफल नहीं है।

39. फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र

वर्ष 2010–11 में फसल अनुसार कुल बोया गया क्षेत्र 114 हजार हैक्टेयर था जोकि 78.1 प्रतिशत सिंचित था। फसलों के अनुसार सिंचित क्षेत्र गेहूं 51, बाजरा 12, धान 5, जौ 1 तथा ज्वार 0.5 हजार हैक्टेयर रहा जोकि कुल सिंचित क्षेत्र का क्रमशः 57 प्रतिशत, 13 प्रतिशत, 5 प्रतिशत, 1 प्रतिशत, तथा 0.5 प्रतिशत था।

40. तालिका :– फसलवार सिंचित क्षेत्र (000 हैक्टेयर)

41. <u>सिंचाई की सघनता</u>

वर्ष 2010–11 में जिला गुडगांव में कुल सिंचित क्षेत्र 89 हजार हैक्टेयर था तथा निवल सिंचित क्षेत्र 58 हजार हैक्टेयर था। इस प्रकार जिले में सिंचाई की सघनता 153.4 रही।

42. नलकूप/पम्पिंग सैट

जिला गुडगांव में वर्ष 2011–12 में कुल टयूब्वैल तथा पम्पिंग सैटों की संख्या 25533 है।

<u>बाढ</u>

43. जिला गुडगांव में कोई नदी व सदा बहने वाली नदी नहीं है। राजस्थान की ओर से एक साहबी नदी है। जिसमें केवल बरसात का पानी

ही आता है। जिसमें पटौदी तहसील के कुल गांव ही भारी वर्षा के कारण प्रभावित होते है। अत्यधिक ढलान होने के कारण इसका पानी जिला झज्जर की ओर आता है।

44. पशु धन

2007 की पशु गणना के अनुसार जिला गुडगांव में पशु धन की कुल संख्या 203880 तथा कुक्कुट संख्या 934563 थी। इसमें से 15.27 प्रतिशत गाय व बैल, 64.61 प्रतिशत भैंसें, 10.13 प्रतिशत भेड बकरी, 0.78 प्रतिशत घोडे व खच्चर तथा 9.21 प्रतिशत ऊंट, सूअर तथा कुत्ते थे।

45. जिला गुडगांव में 2007 की जनगणना के अनुसार प्रति हजार व्यक्तियों पर 36 पशु, 152 भैंसें, घोडे, गधे व टट्टू 1, भेडे 7, बकरियां 16 थी।

46. पशु गणना 2007 के अनुसार जिले में प्रति वर्ग कि0मी0 में 25 पशु, 105 भैसें, भेडे 5, तथा बकरियां 11 संख्या रही है।

47 पशु चिकित्सा सेवाएं

जिला गुडगांव में वर्ष 2011–12 में पशुओं की चिकित्सा के लिए 21 पशु चिकित्सालय, 46 पशु चिकित्सा डिस्पेन्सरियां, पशु चिकित्सकों की संख्या 22 तथा स्टाक /क्षेत्रीय सहायक की संख्या 44 कार्यरत है।

48. सभी पशु चिकित्सा संस्थाओं द्वारा वर्ष 2011–12 में 115000 पशुओं का इलाज किया गया तथा इसी वर्ष में जिला गुडगांव में 6000 गायें तथा 25000 भैंसों का कृत्रिम गर्भाधान कराया गया। सघन पशुधन विकास परियोजना के अन्तर्गत एक बडे आकार की परियोजना कार्य कर रही है। जिसमें एक वीर्य बैंक स्थापित किया गया है। इस बैंक में कृत्रिम गर्भाधान हेतु 8 सांड गायों के लिए तथा 26 सांड भैंसों के लिए रखे गए है।

49. जिला गुडगांव में वर्ष 2011–12 में विकसित गौशालाओं की संख्या 3 है। जोकि राज्य गौशाला संघ से सम्बन्धित है।

50. वर्ष 2011–12 में पशुओं की विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचाने के लिए 379000 पशुओं को बीमारी रोधक टीके लगाए गए।

51. डेरी दुग्ध उत्पादन

पशुपालन आधुनिक युग में अधिकतर दूध उत्पादन के लिए ही किया जाता है। क्योंकि कृषि कार्य हेंतु बहुत ही कम पशुओं का प्रयोग किया जाता है। दूध उत्पादन कृषकों की अतिरिक्त आय का मुख्य साधन है। 2007

की पशुगणना के अनुसार जिले में कुल पशुधन 1138543 में से 54582 दुधारू थे।

52. जिला गुडगांव में वर्ष 2011–12 में मान्यता प्राप्त बुचड़खानों की संख्या 2 है।

मछली पालन

53. वर्ष 2011–12 में जिला गुडगांव में मछली पालन से कुल आय 154600000/– रूपये हुई जोकि पूरे प्रदेश में सभी जिलों की तुलना में पन्द्रनवें स्थान पर है। जिले में इस वर्ष मछली पालन के लिए 120 लाईसेंस जारी किए गए।

54. जिला गुडगांव में वर्ष 2011–12 में 564 हैक्टेयर भूमि पर मछली पालन किया गया। बिना लाईसेंस के मछली पकडने वाले 12 केस पाए गए। जिनसे मुआवजे के रूप में केवल 24000 रूपये वसूले गए।

55. वर्ष 2011–12 में जिला गुडगांव में 3092 टन मछली का निपटान किया गया।

विद्युत

56. विद्युतिकरण

जिले में स्थित सभी गांवों का विद्युतिकरण कार्य पूर्ण हो चुका है।

57. गुडगांव में सर्कल में वर्ष 2011–12 में 8911 कि0मी0 एल.टी. लाईनें 6814 कि0मी0 11 किलोवाट लाईनें तथा 15499 ट्रान्सफार्मर थे इस प्रकार जिले में इस वर्ष कुल संयोजनों की संख्या 425508 है। कुल संयोजनों में 77.65 प्रतिशत घरेलु, 11 प्रतिशत वाणिज्यिक, 2.96 प्रतिशत औद्योगिक तथा 7.55 प्रतिशत कृषि तथा शेष 0.84 प्रतिशत अन्य प्रकार के उपयोग लिए है।

58. जिला गुडगांव में बिजली का उत्पादन नहीं होता यहां के लिए अधिकतर बिजली की आपुर्ति फरीदाबाद थर्मल प्लांट से होती है। जिले में ट्रांसफारमरों की संख्या वर्ष 2011–12 में 15499 थी। जिले में एलः टीः लाईनें 8911 सर्कट कि0 मी0 तथा 11 किलोवाट लाईनें 6814 सर्कट किलो मीटर में है। जिले में वर्ष 2011–12 में घरेलु संयोजनों की संख्या निम्न है।

59. नलकूप

वर्ष 2011–12 के दौरान जिले में विद्युतिकरण नलकूपों की संख्या कुल 31081 थी जिनमें से 287400 कृषि हेतु नलकूप तथा 2339 जलापूर्ति हेतु नलकूप व सिवरेज से सम्बन्धित थे।

खनिज

60. जिला गुडगांव में खनिज पदार्थ अधिक मात्रा में नही पाए जाते। खनिजों में मुख्यतः पत्थर मिला रेत ही पाया जाता है। तथा पहाडों से भवन निर्माण तथा सडक निर्माण हेतु रोडी प्राप्त होती है तथा खनन कार्य बन्द है।

उद्योग

61. वर्ष 2011 में जिला गुडगांव में कुल पंजीकृत उद्योगों की संख्या 1897 थी जिनमें से धारा 2 एम (।) के अधीन 1834, 2 एम(।।) के अधीन केवल 2 तथा विद्युत शक्ति के साथ 61 फैक्टरियां धारा 85 के अधीन पंजीकृत थी। इन फैक्टरियों में कुल अनुमानित कार्यकर्ताओं की संख्या 255755 थी।

सडक तथा परिवहन

62. सडकों की लम्बाई

वर्ष 2011–12 में जिला गुडगांव में सडकों कुल लम्बाई 661 कि0मी0 है। इन सडकों की मरम्मत व देखभाल का उत्तरदायित्व लोक निर्माण विभाग का है। वर्ष 2011–12 में जिले के 100 प्रतिशत गांव पक्की सडकों से जुडे हुए है।

63. रेल यातायात

जिले में वर्ष 2011–12 के दौरान 10 रेलवे स्टेशन है तथा रेलवे मार्ग की कुल लम्बाई 55 कि0मी0 है। फरूखनगर से गढी हरसरू तक मीटर गेज रेलवे लाईन ब्राड गेज में परिवर्तित कर दी गई है।

64. राज्य परिवहन

जिला गुडगांव में हरियाणा राज्य परिवहन का एक डिपो है जिसमें वर्ष 2011–12 में 206 बसें थी जोकि राज्य के अन्दर तथा अर्न्तराज्यीय रूटों पर चलाई जा रही थी। इन बसों के द्वारा वर्ष 2011–12 में 171.14 लाख कि0मी0 की दूरी तय की गई। जिसमें से 627.24 लाख रू0 की आय हुई तथा प्रतिदिन लगभग 20250 यात्रियों द्वारा यात्रा की गई।

65. सडक दुर्घटनाएं

वर्ष 2011–12 के दौरान जिले में 971 दुर्घटनाएं घटी जिनमें 1561 गाडियां दुर्घटनाग्रस्त हुई इन दुर्घटनाओं में कुल 462 व्यक्ति मारे गए तथा 754 व्यक्ति घायल हुए।

66. पंजीकृत वाहन

जिला गुडगांव में वर्ष 2010–11 के दौरान विभिन्न प्रकार की पंजीकृत गाडियों की कुल संख्या 96159 थी जिसमें से 36989 कारें, 2514 जीपें, 1111 ट्रैक्टर तथा 34905 मोटर साईकिलें, स्कुटर व आटो साईकिलें थी। इसमें अतिरिक्त जिलें में 32202 ड्राईविंग लाईसेन्स है।

संचार

67. वर्ष 2011–12 में गुडगांव जिला में कुल 118 डाकघर कार्य कर रहे थे। इस जिले में प्रति लाख जनसंख्या पर डाकघरों की संख्या 10 है।

इसके अतिरिक्त जनता की सुविधा के लिए 660 पत्र बक्से उपलब्ध कराए गए।

श्रम तथा रोजगार

68. औद्योगिक झगडे तथा हडताल

वर्ष 31 दिसम्बर 2011 के दौरान जिले में कुल 1238 झगडे दर्ज किए गए तथा हडताल व तालाबन्दी कुल 5 थी इन हडतालों में सम्मिलित श्रमिकों की संख्या 6303 थी तथा 74018 श्रम दिनों की हानि हुई जिले में वर्ष 2011 में रजिस्टर्ड संघों की संख्या 243 थी इनमें से 70 संघों ने विवरणियां भेजी। इन संघों में सदस्यों की कुल संख्या 19113 थी।

69. जिला गुडगांव में वर्ष 2011–12 के संगठित क्षेत्र में 149880 व्यक्ति रोजगार में लगे थे जिनमें से सार्वजनिक क्षेत्र में 23087 व्यक्ति तथा निजी क्षेत्र में कुल 126793 व्यक्ति कार्यरत थे।

70. जिला गुडगांव में वर्ष 2011 के दौरान 7777 दुकानों में 12672 व्यक्ति 1228 वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में 17112 व्यक्ति तथा होटल व जलपान गृहों में 3475 व्यक्ति कार्यरत थे। इस प्रकार कुल 9244 दुकान होटल आदि में 33259 व्यक्ति कार्यरत थे।

71. औसत दैनिक मजदूरी

वर्ष 2012 में जिले में कृषि श्रमिकों में हल चलाने के लिए प्रतिदिन 274.00 रूपये, बोने के लिए 286 रू0, गोहडी के लिए 261.00 रू0 तथा कटाई के लिए 261 रू0 मजदूरी दी गई।

72. जिला गुडगांव में वर्ष 2011 के दौरान कुल 1 रोजगार कार्यालय था। इन रोजगार कार्यालयों में कुल 7558 पंजीकृत व्यक्ति बेरोजगार थे। इनमें से 203 नियुक्तियां की गई तथा 9103 रिक्त स्थानों की अधिसूचना

जारी की गई। चालू रजिस्टर में बेकार की संख्या 30959 थी। रोजगार दफतर प्रयोग करने वाले नियोजकों की संख्या 93 रही।

सहकारिता

73. जिला गुडगांव में वर्ष 2011–12 में कुल 4272 सहकारी समितियां थी। जिनकी कुल सदस्य संख्या 262756 थी।

74. वर्ष 2011–12 के दौरान इन सभी सहकारी समितियों में 75.60 करोड रू0 हिस्सा पूंजी 15.16 करोड रू0 निजी पूंजी जबकि कुल कार्य पूंजी 79.25 करोड रू0 रही प्रति लाख व्यक्तियों पर सहकारी समितियों की संख्या 282 रही प्रति व्यक्ति औसत कार्य पूंजी 523 रू0 रही।

75. 2011–12 में सभी 4272 सहकारी समितियों में से एक केन्द्रीय सहकारी बैंक, केन्द्रीय भुमि विकास बैंक 1, कृषि ऋण 12, गैर कृषि ऋण 24, विपणन 6, दुग्ध आपुर्ति 169, बुनकर समितियां 22, आवास समितियां–3850, तथा अन्य प्रकार की समितियों की संख्या 184 रही।

76. 2011–12 में जिले में एक केन्द्रीय सहकारी बैंक है जिसकी 38 शाखाएं हैं जिनकी सदस्य संख्या 504000 है इनमें सरकारी हिस्सा पूंजी 134 लाख रू0 तथा 110505.00 लाख रू0 कार्य पूंजी थी। इस बैंक में कुल जमा राशि 72131 लाख रू0 थी। वर्ष 2011–12 के दौरान दिया कर्जा 39545.00 लाख रू0 था।

77. जिले में वर्ष 2011–12 के दौरान 1 केन्द्र भूमि विकास बैंक था जिनकी सदस्य संख्या लगभग 59000 थी कार्य पूंजी 21816.40 लाख रू0 थी। जिसमें से सरकारी हिस्सा पूंजी 124.67 लाख रू0 थी। निजी पूंजी 724.85 लाख रू0 थी। वर्ष के दौरान इस बैंक द्वारा भूमि खरीदने हेतु 2.50 लाख रू0 कर्जा दिया गया। ट्रैक्टर खरीदने हेतु 108.60 लाख रू0 कर्जा दिया गया।

बैंक

78. जिला गुडगांव में वर्ष 31 मार्च 2012 के दौरान 375 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक थे जिनमें कुल जमा राशि 48668 करोड रू0 तथा 22401 करोड़ रू0 ऋण था मार्च 2012 में ऋण जमा अनुपात 46.03 था जबकि मार्च 2011 में यह अनुपात 44.69 था

शिक्षा

79. विद्यालय

जिला गुडगांव में वर्ष 2010–11 के दौरान 454 प्राथमिक तथा पूर्व प्राथमिक विद्यालय 126 माध्यमिक विद्यालय तथा 303 उच्च तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय थे। इन विद्यालयों में क्रमशः 981, 917 तथा 5137 अध्यापक कार्यरत थे। कुल अध्यापकों की संख्या 7035 थी।

80. वर्ष 2010–11 के दौरान प्राथमिक तथा पूर्व प्राथमिक विद्यालयों में 34551 विद्यार्थी, माध्यमिक विद्यालयों में 23707 विद्यार्थी तथा 186606 विद्यार्थी उच्च तथा उच्चतर विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे।

81. इस जिले में अनुसूचित जाति के कुल विद्यार्थियों की संख्या 54318 थी जोकि कुल विद्यार्थी का 21.36 प्रतिशत है। इनमें से प्राथमिक विद्यालयों में 8835 विद्यार्थी अनुसूचित जाति के है। तथा माध्यमिक विद्यालय 8898 है तथा उच्च तथा उच्चतर विद्यालयों में 36585 है।

82. तालिका :– मान्यता प्राप्त विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्याः– वर्ष 2010–11

	कुल विद्यार्थी	अनुसूचित जाति के विद्या

				थीं		

83. जिला गुडगांव में प्रति अध्यापक विद्यार्थियों का अनुपात लगभग 36 प्राथमिक, 35 माध्यमिक, 37 उच्च तथा 36 उच्चतर विद्यालयों में है।

84. जिला गुडगांव में वर्ष 2011–12 में कुल 55 महाविद्यालय थे जिनमें से 9 कला तथा विज्ञान के लिए 41 अध्यापक शिक्षा के लिए, 4 प्राच्य अध्ययन व 1 औषधि के लिए है। इनमें से सरकार द्वारा संचालित 5, सहायता प्राप्त 3, गैर सहायता प्राप्त 47 महाविद्यालय है।

85. वर्ष 2011–12 में महाविद्यालयों में कुल 15120 विद्यार्थी अध्ययनरत थे जिनमें से 7046 पुरूष तथा 8074 महिलाएं थी। इनमें से अनुसूचित जाति के कुल 1142 है जिनमें 480 पुरूष तथा 662 महिलाएं अध्ययनरत थी।

86. इन्जिनियरिंग महाविद्यालयों में वर्ष 2011–12 में जिले में स्नातक स्तर तक प्रवेश क्षमता यान्त्रिकी 480, इलैक्ट्रोनिक्स 960, कम्प्युटर इन्जिनियरिंग 780, तथा अन्य 630 थी।

87. जिला गुडगांव में वर्ष 2010–11 के दौरान 3 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान है जिनमें कुल 952 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। इनमें से 840 छात्र तथा 112 छात्राएं थी तथा अनुसूचित जाति के विद्यार्थी 166 थे।

88. जिला गुडगांव में एक राजकीय बहुतकनीकी संस्थान मानेसर में है जिसमें वर्ष 2010–11 में कुल 808 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। इनमें से अनुसूचित जाति के 148 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे।

चिकित्सा तथा जनस्वास्थ्य

89. स्वास्थ्य सेवाएं

जिले में वर्ष 2011–12 में कुल 98 चिकित्सा संस्थाएं थी इनमें से 93 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाऐं है। ग्रामीण क्षेत्र में कुल 84 संस्थान चिकित्सा एलोपैथी के है इनमें से 12 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 1 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा 71 उपकेन्द्र द्वारा चिकित्सा सेवा प्रदान की गई है तथा शहरी क्षेत्रों में 6 अस्पताल, 8 डिस्पेसरियों द्वारा चिकित्सा सेवा प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त विशेष चिकित्सा के लिए एक क्षय केन्द्र है जिनमें अन्तरंग तथा बाह्य रोगियों की चिकित्सा की जाती है।

90. वर्ष 2011–12 के दौरान जिले में कुल 39984 अन्तरंग रोगियों तथा 758224 बाह्य रोगियों की चिकित्सा की गई। जिले में 31 दिसम्बर 2011 को कुल 437 बिस्तर थे जिनमें से 222 पुरूषों के लिए तथा 215 बिस्तर स्त्रियों के लिए उपलब्ध थे।

91. जिला गुडगांव में 31 दिसम्बर 2011 को कुल चिकित्सा अमला 601 था इनमें से 70 चिकित्सा अधिकारी जोकि वर्ग 1 तथा ।। के अन्तर्गत आते है तथा नर्स 193 प्रशिक्षित दाईयां, प्रयोगशाला तकनीशियन 18, डिसपेन्सर 30 तथा अन्य प्रकार का अमला 222 अमला कार्यरत था।

92. जिला गुडगांव 2011–12 में एलोपैथी चिकित्सा पद्धति के अतिरिक्त आर्युवेदिक, युनानी तथा होम्योपैथी द्वारा उपचार किया जा रहा है। इन संस्थाओं में कुल 205774 रोगियों का उपचार किया गया है। इन संस्थाओं में 20 वैद्य, हकीम तथा होम्योपैथी डाक्टर कार्यरत थे एवं 18 कम्पाउडर अनुमोदित है।

93. जिला गुडगांव में वर्ष 2011–12 के दौरान परिवार कल्याण क्लिनिकों की कुल संख्या 8 है जिनमें से 7 ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 1 शहरी क्षेत्र में परिवार कल्याण सम्बन्धी सुविधाएं प्रदान कर रहे है। इन क्लिनिको द्वारा 4682 नसबन्दी आप्रेशन किए गए तथा 10126 लूप लगाने का कार्य किया गया।

सुरक्षित पेयजल

94. जिला गुडगांव के सभी गांवों को सरकार द्वारा सुरक्षित पेय जल की सुविधा प्रदान की जा चुकी है तथा प्रत्येक वर्ष 2010–11 तक 346 गांवों को 40 एल.पी.सी.डी. तक जलापुर्ति बढोतरी की गई है इस प्रकार कुल 139 गांवों को जलापुर्ति में बढोतरी की जानी है। जिले में पेयजल की बहुत ही

विकट समस्या है क्योंकि लगभग आधे क्षेत्रफल में भूगर्भ जल अत्यन्त लवणीय है।

कल्याण विभाग अनुसूचित जातियां व पिछडे वर्ग

95. कमजोर वर्गो के कल्याण हेतु विशेष कार्यक्रम जैसे मैट्रिक से उपर छात्रों को छात्रवृतियां पुस्तकें एवं लेखन सामग्री खरीदने हेतु ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराना, मकान बनाने के लिए ऋण उपलब्ध कराना तथा निर्धन छात्रों को मुफत वर्दियां बांटने का कार्य किया गया है।

96 कानूनी सहायता के लिए भी सरकार अनुदान देती है अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को इस स्कीम के तहत सवर्ण जाति के किसी व्यक्ति के साथ न्यायालय में विवाद होने पर वकील की फीस आदि सरकार वहन करती है।

वृद्धावस्था व अन्य पैंशन

97. जिला गुडगांव में वर्ष 2011–12 के दौरान वृद्धावस्था पैंशन स्कीम के अन्तर्गत कुल लाभार्थी 36906 जिनको 2629.99 लाख रू0 की राशि वितरित की गई तथा विधवा पैंशन के अनतर्गत 17190 विधवाओं को 1502.63 लाख रू0 की तथा 2783 विकलांगो को 183.99 लाख रू0 की राशि पैंशन के रूप में वितरित की गई।

विविध

98. नगरपालिकाएं

वर्ष 2010–11 के दौरान जिले में 5 नगरपालिकाएं थी इन नगरपालिकाओं की कुल आय 55852 लाख रू0 की हुई तथा व्यय 23625 लाख रू0 थां।

99. राजस्व

जिला गुडगांव में वर्ष 2011–12 के दौरान हरियाणा मूल्य वर्धित कर से 4013154 हजार रू0 केन्द्रीय बिक्री कर से 280557 हजार रू0 तथा मनोरंजन कर से 2308.51 लाख रू0 तथा शो कर से इस वर्ष कोई प्राप्ति नहीं हुई है।

100. रजिस्ट्रीकरण

वर्ष 2009–10 के दौरान जिले में रजिस्ट्री कार्यालयों की संख्या 5 थी जिनके द्वारा कुल 45221 रजिस्ट्री की गई तथा इससे कुल 591917 हजार रू0 की प्राप्तियां हुई। इन अन्तरित सम्पितयों का कुल मूल्य 107413412 हजार रू0 था।

101. पुलिस तथा अपराध

जिला गुडगांव में वर्ष 2011 के दौरान कुल 28 पुलिस स्टेशन तथा 13 पुलिस चौकियां थी। वर्ष 2011 के दौरान जिले में कुल 6667 अपराध दर्ज किए गए। इनमें हत्या के 89, डकैती 12, सेंधमारी 535, साधारण चोरी के 3345, लूट के 79, अपहरण के 49 तथा 2441 अपराध अन्य प्रकार के दर्ज किए गए।

102. हरियाणा सरकार के कर्मचारी

जिला गुडगांव में 31 मार्च 2012 को हरियाणा सरकार के कुल कर्मचारियों की संख्या 18296 थी इनमें वर्ग । के 275, वर्ग ।। के 1094, वर्ग ।।। के 12343, वर्ग चतुर्थ के 1978 तथा फुटकर राशि से प्राप्त वेतन कर्मचारी 1803 कार्यरत थे। जोकि राज्य के कर्मचारियों का 5.53 प्रतिशत है। इन में से 13526 पुरूष तथा 4770 महिलाएं थी।

जिला योजना

103. जिला गुडगांव में वर्ष 2011–12 के दौरान जिला योजना के अन्तर्गत 1385. 98 लाख रू0 की राशि विभिन्न विकास योजनाओं के लिए जारी की गई।

चुनाव तथा मतदाता

104. यह जिला गुडगांव लोकसभा क्षेत्र के अन्तर्गत आता है। तहसील गुडगांव, पटोदी, फरूखनगर तथा सोहना इस लोकसभा क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं। जिले में चार विधानसभा सीटे सोहना, गुड़गॉव, पटौदी तथा बादशाहपुर है।

105. वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में कुल मतदाताओं की संख्या 1244437 थी। तथा इस चुनाव में कुल 756232 मत डाले गए। वर्ष 2009 के विधानसभा चुनाव में मतदाताओं की संख्या 769739 थी। तथा कुल 481350 मत डाले गए। जोकि कुल मतदाताओं का 62.53 प्रतिशत है।

106. जिले में 31 मार्च 2002 तक सामुदायिक टेलीविजन सैट लगाने की परियोजना के अनतर्गत कुल 12 टेलीविजन सैट लगाए गए।

आर्थिक गणना

107. जिला गुडगांव की आर्थिक गणना 2005 के अनुसार सभी प्रकार के उद्यमों की संख्या 66112 थी इनमें से ग्रामीण क्षेत्रों में 38576 तथा शहरी क्षेत्रों में 27536 उद्यम कार्यशील थे । गैर खेतीहर उद्यमों में 34476 उद्यम ग्रामीण क्षेत्रों में, 27435 उद्यम शहरी क्षेत्रों में थे। स्वव्यवस्थित उद्यमों में 39436 उद्यम थे। जिनमें से ग्रामीण क्षेत्रों में 24231 तथा शहरी क्षेत्रों में 15205 थे। एक या एक से अधिक मजदूरी/वेतन पर कार्यरत व्यक्ति वाले उद्यम कुल 26676 थे जिनमें से 14345 ग्रामीण तथा 12331 शहरी क्षेत्र में कार्यशील थे

परिशिष्ट – 3			
जिला एक दृष्टि में			
क0सं0	चुने हुए सूचकांक	वर्ष	
1	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग कि0मी0	2011	1241
2	कुल जनसंख्या पर ग्रामीण जनसंख्या की प्रतिशतता	2011	31.18
3	कुल जनसंख्या पर शहरी जनसंख्या की प्रतिशतता	2011	68.82
4	कुल जनसंख्या पर 0–6 आयु वर्ग के जनसंख्या की प्रतिशतता	2011	13.06
5	कुल जनसंख्या के लिंगानुपात	2011	853
6	ग्रामीण जनसंख्या में लिंगानुपात	2011	877
7	शहरी जनसंख्या में लिंगानुपात	2011	842
8	कुल जनसंख्या पर 0–6 आयु वर्ग के जनसंख्या में लिंगानुपात	2011	826
9	**कुल साक्षरता 2011**	2011	
	पुरूष	2011	90.27

	स्त्रियां	2011	77.64
	कुल	2011	84.44
10	**साक्षरता ग्रामीण क्षेत्र 2011**	2011	
	पुरूष	2011	91.31
	स्त्रियां	2011	69.63
	कुल	2011	81.10
11	**साक्षरता शहरी क्षेत्र 2011**	2011	
	पुरूष	2011	89.82
	स्त्रियां	2011	81.33
	कुल	2011	85.94
12	कुल बोए गए क्षेत्र से खाद्यान फसलों के अधीन बोए गए क्षेत्र से प्रतिशतता 2010–11	2010	81.49
13	एक बार से अधिक बोए गए क्षेत्र की निवल बोए गए क्षेत्र से प्रतिशतता 2010–11	2010	39.02
14	निवल सिंचित क्षेत्र की निवल बोए गए क्षेत्र से प्रतिशतता 2010–11	2010	70.70
15	गॉवों की विद्युतिकरण की प्रतिशतता 2011–12	2011	100.00
16	प्रति लाख जनसंख्या के पीछे बिस्तरों की संख्या 2011–12	2011	40
17	प्रति लाख जनसंख्या के पीछे अस्पतालों की संख्या 2011–12	2011	9
18	प्रति बैंक के पीछे व्यक्तियों की संख्या 2011–12	2011	4038
19	प्रति 100 वर्ग कि0मी0 क्षेत्र पर पक्की सतही सड़कों की लम्बाई कि0मी0 2011–12	2011	59.02
20	प्रति लाख जनसंख्या के पीछे डाकघरों की संख्या 2011–12	2011	10
21	प्रति लाख जनसंख्या पर परिवार कल्याण केन्द्रों की संख्या 2010–11	2010	1